



हसैनाबाद में पूर्व सैनिकों ने मनाया 77 वां सेना दिवस, शहीदों को किया नमन



हसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पूर्व सैनिक सेवा परिषद् कार्यालय में बुधवार को भारतीय सेना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लैफिनेट प्रेमतोष प्रसाद और संचलन पूर्व सैनिक सुशीर कुमार सिंह ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी एसडीओ गोरांग महतो के अलावा बीड़ीओ सुनील वर्मा एवं कर्नल (डॉ) संजय कुमार सिंह रहे। सेना दिवस की शुरूआत दीप प्रज्ञालित कर किया गया। इस दैरण शहीदों को याद किया गया। इस अवसर पर हुसैनाबाद बालिका उच्च विद्यालय, सरस्वती शिख विद्या मंटप, बृन्दावन परिवर्क स्कूल और दक्ष परिवर्क स्कूल के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुष्ठ कर दिया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक डॉ संजय सिंह ने कहा कि हम सभी पूर्व सैनिक मिलकर हसैनाबाद के युवाओं को भारतीय सेना में जाने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं। नवजावानों के भविष्य को सवारें में हमारा संगठन साथक सहयोग कर रहा है। वहाँ, गोरांग महतो ने शहीदों को श्रद्धा सुनान अर्पित करते हुए पूर्व सैनिकों को ध्यानवाद दिया। और स्वीकार किया कि हसैनाबाद में पूर्व सैनिक सेवा परिषद् सभी वर्ग के कल्पणा का काम कर रही है। इसलिए पूर्व सैनिक सेवा परिषद् को हर संघर्ष मदद करने और 26 जनवरी को छात्र-छात्राओं के लिए अनुमंडलीय स्तरिय प्रतियोगिता कराने का भर्तीसंदर्भ दिया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष पूर्व कैप्टन दुखन सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक सीताराम सिंह, आसी मेहता, सर्वेंद ठाकुर, अशरफी पाल, बदुनदं ठाकुर, गौरी शंकर ठाकुर, प्रसाद सिंह, विन चौधरी, ललू पासवान, दिलीप मेहता, रामठल मेहता, प्रेमलता कुंवर, मनोरमा कुंवर आदि उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय महायज्ञ शुरू



हसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अनुमंडल मैदान स्थित मां तारा शक्ति दुर्ग मंदिर में मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पांच दिवसीय महायज्ञ का शुरूआत बुधवार को जल यात्रा के साथ हुआ। मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला से वैदिक मंत्रोचारण के साथ कलश यात्रा निकली गई। जिसका नेतृत्व भाजपा नेता सह सह पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह, यजमान चंदन कुमार सिंह व अंजीत सिंह ने किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल महिला-पुरुष ने नगर भ्रमण किया। इसके बाद देवरी स्थित सोने नदी घाट तक गए। सोने नदी घाट से वैदिक मंत्रोचारण के साथ जलभरी की गई। जलभरी के बाद पुनः यज्ञशाला पहुंचे। कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ की शुरूआत हो गई है। कलश यात्रा में पूर्व मुख्या राम प्रवेश सिंह, मिथिलेश पाटक, संयोजक सूर्य सिंह, अध्यक्ष प्रकाश अंग्रेज, चंदन सिंह, पवन अग्रवाल, रतन लाल, प्रिंस शम्मा, राम प्रवेश सिंह, रणजीत पासवान, संजय सिंह, रमराज मेहता, विमलेश सिंह, अंजय गुरु, मुनि सिंह, विवाय पासवान, सुधीर सिंह, बलराम मेहता, वसंत चौहान, दुर्गा शर्मा, ललू, सीबी रमन सिंह, हंसराज सिंह, चिराग पासवान, उदय विश्वकर्मा, रविन्द्र कार्यकर, बीट बाबा और अखिलेश बाबा आदि शामिल हुए। पूर्व मंत्री सह यज यज्ञ कमेटी के संरक्षक कमलेश कुमार सिंह ने शुरूआत के बुधवार से हुसैनाबाद अनुमंडल मैदान स्थित मां तारा शक्ति मंदिर परिसर से भव्य जल यात्रा निकल कर महायज्ञ की शुरूआत हो गई है। कहा कि 19 जनवरी को पूर्णांगुलि एवं भंडारा के बाद यज्ञ का समापन होगा। उहोने लोगों से यज्ञ में शामिल होकर पुण्य का भागी बनने का आवाहन किया है।

चित्रकला प्रतियोगिता में संत मरियम के विद्यार्थी अवलम्बन



मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से डाल्टनगंज स्थित मौसम विभाग कार्यालय में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में संत मरियम के छात्रों का उक्त क्रृत प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम के छात्रों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा। बताते चले कि मौसम विज्ञान विभाग की 150वीं वर्षगांठ पर स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें संत मरियम के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें मौसम व जलवायु चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति कुमारी, द्वितीय संचिन कुमार व तृतीय स्थान शांभवी स्वरज ने हासिल किया। वहाँ, मौसम विभाग के लोगों द्वारा इनकी प्रतिक्रिया में संत मरियम

दिव्यांग लाभार्थियों को आज से 3500 रुपये प्रति माह पेंशन मिलेगी : मुख्यमंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आज क्योंजी में इस बढ़े हुए भत्ता वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक दिव्यांग लाभार्थियों को आज से 3500 रुपये प्रति माह पेंशन मिलेगी। पहले उन्हें 1200 रुपये पेंशन मिलती थी, जिसे बढ़ाकर 2300 रुपये से 3500 रुपये कर दिया गया है, इससे राज्य के 4,17,496 लोगों को फायदा होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस समाज में वरष्ट नारायणकों, दिव्यांगों और असहाय लोगों का आदर और सम्मान जाता है वह आदर्द सम्मान होता है। समाज को उनके प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है। वरिष्ठ नारायणक हमारी आस्था और विश्वास के मंदिर हैं।



राज्य के 4,17,496 लाभार्थी लाभान्वित होंगे

की उनकी मुस्कान, खुशी और उनका समाज के प्रति अटूट विश्वास हमारी दुर्लभ संपत्ति है। आज का कार्यक्रम आदर्द समाज की दिशा में हमारी यात्रा नेतृत्वकर जेना, योगेन्द्र नायक, रजनी प्रधानी सहित लाभार्थियों को बढ़ा हुआ वरिष्ठ भत्ता और सवालभामा सेटी, अमित दास और यजुर्णाथ महंत को बढ़ा हुआ पेंशन शुभारंभ करते हुए मुझे

हिताधिकारी। इनमें क्योंजीर जिले के 9,913 लोग भी शामिल हैं। आज का कार्यक्रम आदर्द समाज की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई सकार ने आपसे बाद किया है और अपना हुई पेंशन सभी को मिलेगा, चाहे वे राष्ट्रीय सामाजिक कार्यक्रम के लाभार्थी हों या मधुबाबू पेंशन

व्यक्तिगत रूप से बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री और क्योंजीर जिले के हिताधिकारी नेतृत्वकर जेना, योगेन्द्र नायक और क्योंजीर जिला प्रधान अध्यक्ष श्रीमती साधारिका साहू प्रमुख ने कहा कि इस बढ़े हुए भत्ता से बुजु़ों और दिव्यांग अधिक रूप से सुरक्षित होकर अपना दैनिक जीवन जी सके, उन्होंने क्योंजीर और राज्य के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करने का आभान करते हुए कहा कि इसका काम बद्ध नियमित होकर अपना वादा निभा रही है। उन्होंने कहा कि आपके लिए यह बढ़ी हुई पेंशन शुभारंभ करते हुए मुझे

दिव्यांग भत्ता प्रदान किया। इस

ट्राइडेंट ग्रुप ने नियुक्ति के लिए राष्ट्रव्यापी कर्मयोगी भर्ती अभियान शुरू किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। वैशिक बिजनेससमूह ट्राइडेंट ग्रुप ने अपने कर्मयोगी भर्ती अभियान की शुरुआत कीघोषणा की है। भर्ती अभियान का लक्ष्य भारत भर में 3,000 कुशल व्यक्तियों को नियुक्त करना है। यह पहले एक समावेशी, सशक्त सम्पुर्ण विनायक नियमानुसार प्रदेश में अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करेगा। यह अधिकारी और उसके आसपास का क्षेत्र में 16 जनवरी (गुरुवार) और 17 जनवरी (शुक्रवार) को दो दिन सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। स्थिर, नियांवध और गुणवत्तापूर्ण बिजली सेवा के लिए यह बढ़ा रखा जाएगा। इसलिए, ट्राइडेंट ग्रुप बिजली सेवा के अधिकारी व्यवधान के लिए अपनी गंभीर संवेदन बरकरार करता है और क्षेत्र में बिजली उपभोक्ताओं और जनता के सहयोग की कामना करता है।



उत्पाद में योगदान देनेमें भी मदद करेगा। यह पहल स्कॉल डेवलपमेंट को भी बढ़ावा देगी, महिलाओं को सशक्त बनाएगी और मूल्यवान कर राजस्व उत्पन्न करेगी। सुश्री पूजा लूथरा, सीएचआरओ ट्राइडेंट ग्रुप की विनायक नियमानुसारी और राष्ट्र के अवसरपात्र के अनुरूप है। यह पहल केवल ट्राइडेंट में हमारे कार्यवालों को बढ़ावा देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर करेगा, बल्कि लाभान्वित करेगा। यह अधिकारी और परिवार के लिए सार्थक काम करने के सुविधाएं दिलाई रखेगा। 3,000 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करके, ट्राइडेंट ग्रुप के अनुरूप है। यह पहल केवल ट्राइडेंट में हमारे कार्यवालों को बढ़ावा देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेगी, जिससे राष्ट्र नियमां और विकसित भारत की दिशा में योगदान मिलेगा। कर्मयोगी भर्ती अभियान प्रक्रिया में अपने समर्पण की पुष्टि करता है।

नवीनतम निविदा आमंत्रण के साथ ओडिशा की कनेक्टिविटी में प्रगति

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। लंबे समय से प्रतीक्षित तालंचर-बिमलागढ़ नवी ब्रॉड गेज (बीजी) रेल लिंक परियोजना को पूरा करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास में रेल मालाय ने परियोजना के शेष हिस्से के लिए निविदा आमंत्रित की है। 149.78 किमी तक फैला यह नया रेल लिंक तालंचर को ओडिशा के बिमलागढ़ से जोड़ने के लिए, तैयार है, और निविदा आमंत्रित में पिछी, जल निर्माण, स्टेनेज, जल निकासी प्रणाली और शुद्धिकारी, जल सम्पादन कराना के देवगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों में शेष भूमि और बहुत कुछ सहित महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। निविदा की अनुमानित लागत 726.129 करोड़ है। तालंचर-बिमलागढ़ रेल लिंक को शुरुआत में 2003-04 में मंजूरी दी गई थी, लेकिन भूमि अधिग्रहण के मुद्दों, कानूनी वाधाओं और अच्युत चूनौरियों के कारण पिछले कुछ वर्षों में इसमें कर दी गयी समान कराना पड़ा है। इन असफलताओं के बावजूद, परियोजना का लगभग 26%

दूरी के लिए निविदा जारी होने से प्रगती में काफी तेजी आने की उमीद है। तालंचर-बिमलागढ़ परियोजना, जिसे लगभग 20 वर्षों के अंतिरिक्त, चल रहे नियमां ने दीर्घी समान कराना पड़ा है, अब पूर्व तर रेलवे (इसीओआर) प्रशासन द्वारा उठाये गये सक्रिय कदमों से गति पकड़ रही है। इन उपर्यों में भूमि अधिग्रहण और मुकदमेबाजी से संविधान योग्यता के साथ धनिष्ठ समन्वय शामिल है। रेल मंत्रालय ने इस परियोजना को प्रारंभिक वेतन दिया जायेगा, जिससे सामानजनक वेतन और बढ़ती ब्रॉडगेज रेलवे पर विनायक नियमानुसारी भर्ती अभियान के शुभारंभ के साथ, ट्राइडेंट ग्रुप अपने द्वारा सेवा प्रदान करने के लिए आगे बढ़ने के अवसर करेगी, जिससे राष्ट्र नियमां और विकसित भारत की दिशा में योगदान मिलेगा।

तालंचर के बीच की दूरी लगभग

126 किलोमीटर कम कर देगा। यह रेल लाइन नियांत-गुणवत्ता वाले लौह अधिकारी के कुशल परिवहन की सुविधा प्रदान करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी और क्षेत्र में उद्योगों को लाभ पहुंचायेगी। उच्चतम स्तर पर परियोजना की शक्ति की नियमित समीक्षा की जा रही है, अधिकारीयों को महत्वपूर्ण समय सीमा को पूरा करने के निर्देश प्राप्त होता है। रेल मंत्री ने गति पकड़ रही है। और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' दर्शन को मूर्ति रूप देने में गर्व महसूस करते हैं। अपेक्षित रूप से रेखांकित करते हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्तन देने के लिए कार्यवालों को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। ये उपलब्धियों संधारणीयता में हमारे नेतृत्व को रेखांकित करती हैं और लोगों, ग्रह और भावी पीढ़ियों के साथ विकास को सुनिखित करने के लिए बदलाव' को रेखांकित करती है। अपेक्षित रूप से रेखांकित करती हैं, जिसमें विनायक नियमानुसार में वर्त